VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (1451)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 052321

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Shubham Raghuvanshi

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date

25/08/19

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre
Bhopal. -09

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6		
1(b)			7		
2(a)			8		
2(b)			9		
3(a)			10		
3(b)			11		
4(a)			12		
4(b)			13		
5(a)			14		
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (1451)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time Allowed: Three Hours	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **चौदह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **FOURTEEN** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) इस बात से पूर्णत: भिज्ञ होते हुए कि किसी कार्य के परिणाम बुरे भी हो सकते हैं, हितकर साध्य की पूर्ति हेतु उस कार्य को करना नैतिक रूप से स्वीकार्य है। इस कथन का उदाहरण सहित समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

It is morally permissible to perform an action in pursuit of a good end in full knowledge that the action might also bring about bad results. Critically examine the statement with examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर। किसी भी कार्य में यदि अच्छे उद्देश्यों के साथ किया जाए तो भी दो सम्भावनाएं

यथा — आशा-अनुरूप परिणाम
— आशा के विपरीत परिणाम

प्राप्त हो सकते हैं। प्रकृति के नियमों के अनुसार इस बात की संभावना भी अधिक होती है कि कार्य के पश्चात नैतिक उद्देश्यों व साधनों के बाद परिणामों की कल्पना या निश्चितता सम्भव नहीं होती यों कई बार आशा के विपरीत भी हो सकते हैं।

उदाहरणतः किसी जलती हुई बिल्डिंग से यह जानते हुए किसी बच्चे को नीचे फेंकना की नीचे गिरने से

उनकी मौत हो जाती है। तात्कालिक परिस्थिति में उपयुक्त है क्योंकि नीचे कूदने पर बचने की शीघ्र सम्भावनाएं उपलब्ध है परंतु बिल्लियों की आग से उनका जलना तय है।

—॥— —।—

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. (b) शैक्षिक संस्थान विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस संदर्भ में, शैक्षिक संस्थानों में पाठ्येतर गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के महत्व का वर्णन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

Educational institutions play a significant role in instilling ethical values among students. In this context, state the importance of promoting extra-curricular activities in educational institutions. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर)।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम माता पिता के बाद शिक्षकों को मानव व्यक्तित्व निर्माण का प्रमुख स्तम्भ मानते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में शिक्षा व्यवस्था में शैक्षणिक गतिविधियों यथा शिक्षण, पठन, वाचन, मूल्यांकन के साथ पाठ्येतर गतिविधियों का भी संचालन करते हैं

पाठ्येतर गतिविधियाँ

- वैज्ञानिक संस्थानों का भ्रमण
- सामाजिक संस्थानों वृद्धाश्रम, विधवा आश्रम आदि भ्रमण
- स्वैच्छिक सेवा गतिविधियाँ
- अन्य
  - सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन
  - विरोधन चर्चा
  - परस्पर अन्तर्क्रियता
  - सामूहिक भ्रमण

महत्व :

1) सामाजिक विषयों के प्रति जागरूकता

2) शिक्षा के व्यवहारिक पक्ष को बल

3) समग्र मानव विकास

4) संवेदनशील वर्गों के प्रति सहानुभूति

5) पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता

6) सामाजिक - धार्मिक सहिष्णुता का विकास

7) वैज्ञानिक व तार्किक विचारों का विकास

—x—

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) लोक सेवी प्रकृति पर ध्यान केंद्रित करना, एक मूलभूत तत्व है जो लोक सेवा में करियर को अन्यत्र कहीं रोजगार से विशिष्ट बनाता है। चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)
An essential element that distinguishes a career in public service from jobs elsewhere is its focus on public service ethos. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर:

लोक सेवा में करियर व्यक्तिगत आकांक्षा की पूर्ति कम होकर सामाजिक व राष्ट्रीय आकांक्षाओं की पूर्ति अधिक होती है।

ई. श्रीधरन, T N शेषन, जैसे लोकसेवकों ने लोकसेवा के लिए उच्च मूल्यों को स्थापित किया। जो वास्तविक लोकसेवा की आकांक्षा को पूर्ण करते हैं।

चूंकि लोकसेवक का पद व्यापक अधिकार और धारण करता है वहीं वह राष्ट्र के बड़े वर्ग को प्रभावित कर सकता है ऐसे में उसकी लोक के प्रति समर्पण अत्यंत आवश्यक मूल्य है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लोक सेवकों की महत्व :-

1) व्यापक अधिकार क्षेत्र
2) राजनीतिक विरोध के बाहर
3) विनियामक के रूप और वर्ग को प्रभावित करते है.
4) नीति निर्माण पर प्रभाव जो अन्य व्यवस्थाओं के नैतिकता को सुनिश्चित करता है,

—— X ——

2. (b) दक्षता, निष्पक्षता, समानुभूति और सच्चरित्रता जैसे आधारभूत मूल्य सिविल सेवाओं के अभिन्न अंग हैं। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ सविस्तार वर्णन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)
The foundational values of efficiency, impartiality, empathy, and incorruptibility are an integral part of civil services. Elaborate with relevant examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर ।-

दक्षता :- अर्थात प्रत्येक कार्य को सम्पन्न करने के लिए प्रयुक्त ऊर्जा व संसाधनों की मितव्ययता के साथ प्रयोग करते हुए उत्तम प्रणाली क्रियान्वयन। देश के सीमित साधनों व विशाल मानव
→ वर्ग के यह आवश्यक।

उदाहरणतः वर्गीज कुरियन द्वारा अमूल की स्थापना

निष्पक्षता : अर्थात निर्णय व्यक्तिगत हितों या बाह्य दबाव से प्रभावित न होकर तथ्यों व वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित हो

→ लोकतांत्रिक राष्ट्र में इसका महत्व अत्यधिक

उदाहरण :- TN शेषन द्वारा निष्पक्ष चुनाव आयोग संचालन हेतु प्रयास।

समानुभूति :- से तात्पर्य पीड़ित व्यक्ति के स्थान पर स्वयं को रखकर उसकी पीड़ा को अनुभव करना तथा निवारण हेतु प्रयास करना।

इस शब्द में कमी व्यवहार असमानता तथा भागीदारी विकास हेतु यह गुण आवश्यक

उदाहरण :- लोकसेवकों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की समस्या के बारे निवारण करना (म.प्र. के लोकसेवक P नरसिम्हन)

सत्यनिष्ठता :- प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेहिता तथा निष्पक्षता व भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण का निर्माण न जनता को लोक सेवा के प्रशासन पर विश्वास हेतु आवश्यक

उदाहरण :- ई श्रीधरन द्वारा दिल्ली मेट्रो निर्माण में पूर्ति:: पारदर्शिता, जवाबदेहिता, निष्पक्षता व भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण जिससे सत्यनिष्ठापूर्ण कार्यसंस्कृति विकास।

3. (a) राष्ट्रों की विदेश नीति मुख्य रूप से राष्ट्रीय हितों द्वारा निर्देशित होती है। क्या आप मानते हैं कि इस प्रकार के विशिष्ट सरोकारों का अनुसरण, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता के लिए अत्यल्प स्थान छोड़ता है। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

The foreign policy of nations is primarily guided by national interests. Do you think the pursuit of such exclusive concerns leaves little scope for ethics in international relations? Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर :-

अंतर्राष्ट्रीय नीति

- यथार्थवादी
  - केवल अपने राष्ट्र का हित चाहे कीमत कोई भी हो
  - हिटलर
  - मुसोलिनी
- मध्य मार्गी
  - जहाँ तक संभव हो आदर्शवाद का पालन करते हुए राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता
  - भारत सरकार की विदेश नीति
- आदर्शवादी
  - अर्थात् अंतर्राष्ट्रीय नैतिक मानदंडों का कठोरता से पालन
  - व्यावहारिक नहीं।

वास्तुतः वर्तमान में अधिकांश सरकारें विदेश नीति को राष्ट्रीय हितों से व्यावहारिक रूप निर्धारित करती है

उदाहरणार्थ: कर्नाटक सरकार द्वारा पारित हिजाब

के बाहर निकलना

- नीति द्वारा पारिवारिक को समर्थन

परंतु यह प्रवृत्ति भारत! एक विविध विविध

समाज का निर्माण करेगी परंतु लोकहित

की प्रवृत्ति भारत। विचारों को नष्ट करेगा

अतः पारदर्शिता के सिद्धांतों का पालन

आवश्यक है जो प्रस्तावना के समान प्रावधान

हितों को धारण करती है

3. (b) कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व इस धारणा को परिवर्तित करने में सहायता कर सकता है कि 'व्यावसायिक नैतिकता' विरोधाभासी होती है। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)
Corporate Social Responsibility can help in changing the perception of 'business ethics' being an oxymoron. Critically analyze. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर.

भारत में 2013 के कम्पनी कानून द्वारा 2% CSR को स्व. अनिवार्य बनाया गया है।

CSR यह सुनिश्चित करता है कि

→ कम्पनी समाज के प्रति उत्तरदायी रहे

→ कम्पनी द्वारा प्रयुक्त साधन सामाजिक सम्पत्ति अतः उनके प्रति उत्तरदायी है

→ समाज के अंतर्क्रिया बनी रहे जिससे सामाजिक बंधुत्व का वातावरण बना रहे

→ समाज में कम्पनियों की व्यावसायिक व ब्रांड लोकप्रिय छवि में सुधार

CSR गतिविधियों को प्रभावी क्रियान्वयन कम्पनी की सामाजिक छवि परिवर्तन को बड़ी परिवर्तन की सकता है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

i) समाज के निचले अंतक्रिया

ii) सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता

iii) सामाजिक विकास में सहभागिता

iv) जनता में कम्पनियों के प्रति दृष्टिकोण परिवर्तन।

शोषक वर्ग → सहायक वर्ग

v) सामाजिक उत्थान में कम्पनियों की स्वीकार्यता में वृद्धि।

भारतीय दान परम्परा का ही संशोधित रूप CSR उपक्रमों वाले केन्द्रीकृत हुआ है कम्पनियों व आम जन के बीच की खाई को समाप्त करने के उद्देश्य से भारत के लाभ की कम्पनियों में व्यावसायिक नैतिकता का विकास है।

4. नीचे नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के उद्धरण दिए गए हैं। स्पष्ट कीजिए कि वर्तमान संदर्भ में आपके लिए इनके क्या मायने हैं:

Given below are quotations of moral thinkers/philosophers. Bring out what they mean to you in the present context:

(a) असहिष्णुता स्वयं हिंसा का एक रूप है और सच्ची लोकतांत्रिक भावना के विकास में एक बाधा है- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दें)

Intolerance is itself a form of violence and an obstacle to the growth of a true democratic spirit. Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर :

महात्मा गांधी के दर्शन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण धारणा 'सहिष्णुता' वर्तमान संदर्भ में भी बढ़ती असहिष्णुता के दौर में अत्यंत प्रभावशाली है

असहिष्णुता

- जातीय (पिछड़ी जातियों के प्रति)
- धार्मिक (अल्पसंख्यकों के प्रति)
- लैंगिक (महिलाओं के प्रति)
- उपेक्षित वर्गों
  - → नस्लीय
  - → [illegible]
  - → LGBT समुदाय

हाल ही कई धार्मिक, जातिगत व नस्लीय घटनाएं यथा अमेरिका में हुई फ्लॉयड की घटना, तमिलनाडु में

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मॉब लीचिंग (बच्चा पकड़ने के शक में) आदि सामाजिक असहिष्णुता की बढ़ती मानसिकता को स्थापित करती है

लोकतांत्रिक विकास में बाधाएं

- सड़क पर न्याय / मॉब लीचिंग
- प्रशासन पर विश्वास न
- राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन (शरणार्थी समस्या)
- अल्पसंख्यक पर बहुसंख्यक प्रभुत्व

वर्तमान में बढ़ता संरक्षणवाद व शरणार्थियों के प्रति विपरीत वैश्विक वातावरण इसका ही द्योतक है। यह मानव के सामान्य विकास को बाधित कर अन्य मानवाधिकारों पर कुठाराघात है

4. (b) सफल व्यक्ति बनने का प्रयास मत कीजिए अपितु, मूल्यपरक व्यक्ति बनने का प्रयास कीजिए- अल्बर्ट आइंस्टीन
(उत्तर 150 शब्दों में दें)
Try not to become a man of success but rather try to become a man of value. Albert Einstein
(Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर-
वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति की वर्तमान पीढ़ी का मुख्य लक्ष्य सफलता अर्थात सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक रूप से प्रतिष्ठा को प्राप्त करना व अधिकाधिक धन व सुविधाओं की प्राप्ति मात्र बनता जा रहा है चाहे उसका साधन कोई भी हो

वर्तमान में धार्मिक गुरुओं, नेताओं, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों पर लगे आरोप व उनका प्रमाणीकरण इस तथ्य को पुष्ट करते है।

वास्तव में सफलता एक बहुपक्षीय व भौतिक मात्र है जो केवल भौतिक सुविधाओं तथा कुछ साधनों की सफलता पर टिका है जबकि मूल्यपरकता एक व्यापक अवधारणा है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मूल्यपरकता

- नैतिक सत्यनिष्ठता
  - ईमानदारी, पारदर्शिता
  - सत्यनिष्ठता, संवेदनशीलता
- समाज के व्यापक हित में संसाधनों का प्रयोग
  - गरीबों, वंचितों तथा पिछड़ों हेतु विशेष कार्य.

मूल्यपरकता केवल भौतिक लक्ष्य ही नहीं बल्कि मानसिक सुख भी उपलब्ध कराता है।

5. (a) नागरिक घोषणापत्रों के होने भर से ही लोक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने संबंधी वांछित परिणाम प्राप्त नहीं किए जा सकते हैं। सेवोत्तम मॉडल के आलोक में इस कथन पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)
Citizens' Charters by themselves cannot achieve the desired results in improving quality of public services. Discuss the statement in light of the Sevottam Model. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर -

नागरिक घोषणापत्र इस आदर्श पर आधारित है कि जनता मालिक है व प्रशासन सेवक। परंतु नागरिक घोषणापत्रों के साथ अन्य क्षेत्रों में भी व्यापक सुधार द्वारा लोक सेवाओं में सुधार लाया जा सकता है।

नागरिक घोषणापत्रों में कमियाँ -

→ विधिक प्रतिबद्धता का न होना
→ अस्पष्ट भाषा व विषय वस्तु
→ जन जागरूकता की अभाव
→ पर्याप्त शिकायत निवारण तंत्र से विकास न होना

इन समस्याओं के समाधान के साथ ही RTI, e गवर्नेंस तथा मॉडल आदि जैसे प्रयासों को

किया जाना आवश्यक है।

नैवोल्न मॉडल :- प्रशासनिक दक्षता, पारदर्शिता व जवाबदेहिता सुधार हेतु ब्रिटेन व US के लोकप्रशासन मॉडलों से प्रेरित यह भारतीय मॉडल नागरिक घोषणापत्रों को मूल प्रमुख प्रशासनिक सुधार कार्यक्रमों के रूप में चिन्हित करता है परंतु साथ ही प्रशासन में व्यापक सुधार – ई तकनीकि प्रयोग, शिक्षा
– शिकायत निवारण तंत्र निर्माण
– जन जागरूकता
जैसे तत्वों को समाविष्ट करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (b) सामाजिक पूँजी से आप क्या समझते हैं? सुशासन के साथ इसके संबंध की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

What do you understand by social capital? Explain its relationship with good governance. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर-

सामाजिक पूंजी -

समाज में व्याप्त पारस्परिकता व संबंधों में प्रगाढ़ता को सामाजिक पूंजी के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

सामाजिक पूंजी

- परस्पर विश्वास
- बंधुत्व की भाव
- आपसी सहयोग
- परस्पर निर्भरता

सुशासन स्थापित करने हेतु जिन तत्वों की आवश्यकता होती है उनमें प्रमुख रूप से भागीदारी पूर्ण प्रशासन तथा समावेशी व सम्यक प्रशासन का दृष्टिकोण निहित होता है इस हेतु सामाजिक पूंजी अत्यंत

सहायक होती है

→ उदाहरणत: जापान में 2011 के आए भूकंप व सुनामी के पश्चात जनता के परस्पर विश्वास व बंधुत्व भाव से निर्मित सामाजिक पूंजी के कारण शासन व्यवस्था को आसानी से चलाया जा सका।

वस्तुत: सुशासन व सामाजिक पूंजी परस्पर पूरक है क्योंकि सामाजिक पूंजी का उच्च विश्वास अत: सुशासन की गारंटी प्रदान करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. व्यक्तिगत और संगठनात्मक परिवर्तन के प्रबंधन के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता एक आवश्यक घटक है। टिप्पणी कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)
Emotional Intelligence is an essential ingredient for managing personal and organizational change. Comment. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर:-

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य स्वयं के विचारों के अनुकूल अन्य व्यक्ति या समूह के विचारों व भावनाओं में परिवर्तन लाना।

व्यक्तिगत परिवर्तन प्रबंधन व भावनात्मक बुद्धिमत्ता :-

↳ आत्म प्रेरणा
↳ आत्मनियंत्रण
↳ आत्म साक्षात्कार
↳ व्यक्तिगत व भावनात्मक हितों में संतुलन स्थापित करना
↳ पारिवारिक व भावनात्मक स्थितियों में संतुलन

उदाहरण :- न्यूजीलैंड की वर्तमान प्रधानमंत्री जो एक साथ PM व माँ दोनों का सफल निर्वहन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संगठनात्मक प्रबंधन में EQI :-

- कार्य संस्कृति में परिवर्तन हेतु
- कार्य पूर्ति सम्पूर्ण निष्ठा व समर्पण के विकास हेतु
- लक्ष्यों के प्रति एक राय की निर्मिति
- संगठनिक एकता व दृढ़ता की निर्मिति
- संगठन के प्रति सकारात्मक भावना का विकास

→ महात्मा गांधी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम हेतु भारतीय जनता व कांग्रेस के मत ऐक्य की स्थापना।

7. क्या आप सहमत हैं कि चुनिंदा सार्वजनिक सेवाओं के निजीकरण और बाह्यस्रोतीकरण (आउटसोर्सिंग) से सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता में सुधार लाने और विशेष रूप से भ्रष्टाचार को कम करने में सहायता मिलेगी? पुष्टि कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

Do you agree that privatization and outsourcing of selected public services will help improve the quality of public service delivery and in particular reduce the incidence of corruption? Substantiate. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर:-

भारत में नीति निर्माण व क्रियान्वयन कार्य अत्यंत केन्द्रीत है ~~अतः~~ जो इसकी प्रभावशीलता व पारदर्शिता में कमी लाता है। इस संबंध में ब्रिटेन का मॉडल अनुकरणीय हो सकता है जहां कार्यान्वयन के अधिकांश कार्य को बाह्य स्रोतिकरण द्वारा पूर्ण किया जाता है। भारत में भी इस तरह के मॉडल को अपनाया जा सकता है।

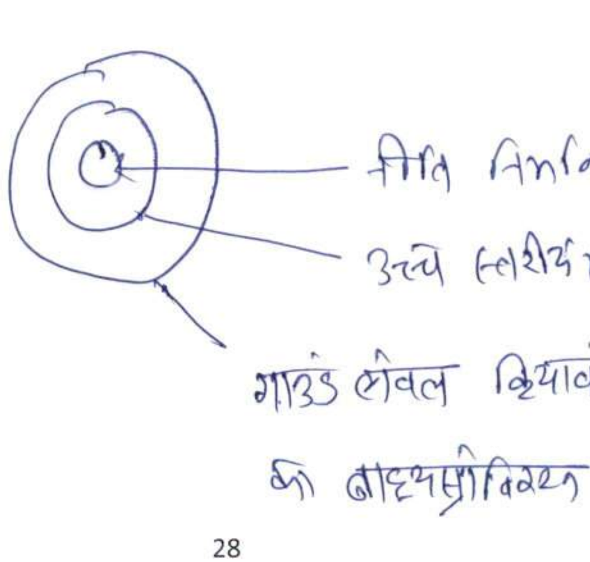

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लाभ :-

1) उच्च स्तरीय प्रशासन पर बोझ कम होगा जिससे प्रभावी नीति निर्माण

2) विशेषज्ञता प्राप्त संस्थाओं से नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।

3) जन कल्याणकारी कार्यों में व्यवसायिकता का विकास जिससे बेहतर परिणाम

4) जनता में अधिकार स्वरूप भावनाओं का विकास
→ योजना के लाभार्थी से → योजना के अधिकारकर्ता

उद्योग क्षेत्र में यह मॉडल सफलता पूर्वक क्रियान्वित किया जा रहा है। परंतु प्रशासन में जनकल्याण की प्रमुखता, पारदर्शिता, जवाबदेहिता जैसी बातों को बनाए रखने के साथ इसका प्रयोग किया जा सकता।

8. भारत में सामाजिक न्याय के विचार के सन्दर्भ में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के योगदानों की चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)
Discuss the contributions of Dr. B.R. Ambedkar to the idea of social justice in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर :-

संविधान शिल्पी डॉ. B R अम्बेडकर की सामाजिक न्याय संबंधी धारणा सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक समानता की त्रिवेणी पर टिकी थी। वे समानता व स्वतंत्रता में सामंजस्य तथा उनका अनुपालन सामाजिक न्याय के लिए अनिवार्य घटक के रूप में स्थापित करते हैं।

सामाजिक न्याय

- जातिगत समानता → पिछड़े वर्गों विशेषकर दलितों के साथ समान व्यवहार
- धार्मिक समानता → - अल्पसंख्यकों के साथ समान व्यवहार; - लैंगिक शोषण का विरोध (UCC (सिविल कोड) वकालत)
- लैंगिक समानता → पितृसत्तावादी समाज का विरोध
- आर्थिक-राजनीतिक समानता → में सभी अवसरों की समानता तथा सभी के साथ समान व्यवहार।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संवैधानिक प्रावधानों के रूप में :-

समानता, स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता, शोषण का विरोध, गणराज्य व लोकतांत्रिक व्यवस्था की अवधारणाओं जैसे मूल्यों का निर्माण अम्बेडकर की व्यापक अवधारणा को सामने रखते है। जो प्रत्येक मानव को धर्म, जाति, लिंग, निवास, जन्म स्थान, भाषा, आदि के आधार पर विभेद किए बिना समग्र उन्नति के समान अवसर उपलब्ध कराती है। साथ ही उन्होंने सदियों से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण जैसी व्यवस्था की भी वकालत की क्योंकि यह असमानता मिटाने का व्यापक साधन है।

वस्तुतः सामाजिक न्याय समान में ऐसी समानता न कि असमान के बीच समानता का पोषक।

9. आप एक ऐसे जिले में जिला मजिस्ट्रेट के रूप में पदस्थापित हैं जिसमें हाल ही में बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई है। बाढ़ की तीव्रता ने न केवल आश्रय स्थलों और आजीविका को नुकसान पहुँचाया है, अपितु इस क्षेत्र में घातक बीमारियों के फैलने का जोखिम भी उत्पन्न किया है। सड़कों पर घूमने वाले ठगों ने इस स्थिति का लाभ उठाया है और वे लूटपाट कर रहे हैं तथा जो कुछ भी उनके हाथ लग रहा है, उसे जमा कर रहे हैं। ऐसी सूचनाएँ हैं कि कई दुकानों और घरों में सेंध लगाकर उन्हें लूट लिया गया है। कुछ लोगों को संदेह है कि यह कार्य पड़ोसी देश से आए अवैध प्रवासियों का है जो इस जिले में लंबे समय से रह रहे हैं।

स्थानीय विधायक इन अवैध प्रवासियों को राहत और पुनर्वास सहायता देने पर आपत्ति कर रहे हैं। जिले के कई निवासी भी विधायक के साथ मिल गए हैं और तर्क दे रहे हैं कि नागरिकों का देश के संसाधनों पर, विशेषकर वर्तमान स्थिति में प्रथम अधिकार है।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) क्या आप मानते हैं कि प्रत्येक स्थिति में देश के नागरिकों का राष्ट्र के संसाधनों पर प्रथम अधिकार है? वैध तर्कों के साथ अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए।

(b) इस सूचना को देखते हुए, प्रशासन की प्राथमिकताओं के आधार पर कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are posted as the District Magistrate in a district, which has been ravaged by floods recently. The severity of floods has not only led to destruction of shelter and livelihood, but also created risks of deadly diseases spreading in the area. Street thugs have taken advantage of the situation and are looting and stocking anything they can get their hands on. There are reports that many shops and homes have been broken into and looted. Some suspect that this is the work of illegal immigrants from a neighbouring country, who have been residing in the district for a long time.

The local MLA is objecting to extension of relief and rehabilitation assistance to these illegal immigrants. A number of residents of the district have also joined the MLA and are arguing that citizens have the first right on the country's resources, particularly in the prevailing situation.

In this context, answer the following:

(a) Do you think that citizens of a country have the first claim on resources of a nation in every situation? Justify your answer with valid arguments.

(b) Given this information, chart a course of action based on priorities of the administration. (Answer in 250 words) 20

उत्तर :-

प्रमुख हितधारक :-

1) बाढ़ से प्रभावित जनता

2) विधायक व उनके समर्थक

3) पुलिस प्रशासन

4) अवैध प्रवासी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5) राज्य

6) जिला मजिस्ट्रेट के रूप में स्वयं मैं

नैतिक मुद्दे :-

1) राष्ट्रीय हित बनाम मानव अधिकार

2) स्थानीय लोगों के अधिकारों का संरक्षण

3) राष्ट्रीय सुरक्षा व ~~शरणार्थी~~ अवैध प्रवासियों के मानवाधिकार

4) संसाधनों का वितरण

(a) संसाधनों पर अधिकार :-

प्रस्तुत समस्या को ध्यान में रखते हुए ससांधनों के वितरण में कई हित संघर्ष जैसे-

- नागरिक अधिकार बनाम मानवाधिकार
- राष्ट्रीय सम्पत्ति पर नागरिकों का प्रथम अधिकार

जैसे का समावेश है। इस संबंध में एक ~~अ~~। किसी भी अतिवाद से बचते हुए एक

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

समावेशी दृष्टिकोण को अपनाया जाना आवश्यक है। इस संबंध में निम्नलिखित विकल्प उपलब्ध हैं

1) देश के नागरिकों को प्रथम वरीयता देना :- यह स्थानीय नागरिकों को तो संतुष्ट कर सकेगा व विधायक के नेतृत्व में उठ रहे विद्रोह स्वर को भी शांत करने में सहायक रहेगा परंतु भारतीय परम्परा व मूल्यों तथा मानवाधिकारों की उपेक्षा करेगा क्योंकि यह अवैध प्रवासियों को उपेक्षित करेगा।

2) संसाधनों का समान वितरण :- यह मानवाधिकारों को सुनिश्चित करेगा परंतु स्थानीय लोगों में विरोध के स्वर उत्पन्न करेगा। साथ ही स्थानीय साधनों पर दबाव बढ़ाएगा। परंतु यह अधिक मानवोचित ~~स्थानीय समुदाय को~~ दृष्टिकोण है। क्योंकि -

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- आपदा के समय संसाधनों का भेदभाव पूर्ण वितरण मानव गरिमा के खिलाफ
- अवैध प्रवासियों के ~~छ~~ ~~ख~~ को केवल इस आधार पर मरने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता कि वे नागरिकता धारण नहीं करते।
- संसाधनों को अधिकतम दक्षता के साथ प्रयोग द्वारा मानवाधिकारों की रक्षा।
- भारतीय मूल्यों व सिविल सेवा के गुणों यथा करुणा, सहानुभूति, संवेदना, वस्तुनिष्ठता व निष्पक्षता का पालन

किसी भी राष्ट्र के संसाधनों पर उसके नागरिकों का प्रथम अधिकार है परंतु आप्त ही व निरपेक्ष नहीं है बल्कि समस्त मानवता को समेटे हुए है। अतः ऐसी स्थिति में दूसरा विकल्प अधिक प्रासंगिक व अनुकूलन योग्य है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

(b) प्रशासनिक कार्यवाही निकी रूपरेखा :-

1) सर्वप्रथम प्रशासन को बाढ़ में फंसे लोगों को बिना उनकी नागरिकता संबंधी प्रश्न के बचाव कार्य में लगाना व उनके खाने-पीने का इंतजाम।

2) लूट में लगे गिरोह को जल्द से जल्द पकड़ने हेतु पुलिस प्रशासन को निर्देश व सम्पत्ति की सुरक्षा

3) स्थानीय विधायक को पुनर्वास व रेस्क्यु योजना के सहयोग हेतु वार्तालाप।

4) अवैध प्रवासियों की संख्या निर्धारित कर उनके हेतु सरकार को रिपोर्ट ताकि उनको जल्द अपने देश में पुर्नवास किया जा सके,

5) बाढ़ के पश्चात महामारी की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य टीम की तैयारी व खाद्य पदार्थों तथा पीने योग्य पानी का इंतजाम। तथा स्वच्छता को बनाए रखना

6) बाढ़ के कारणों तथा प्रभावों व पुनर्विकास योजनाओं हेतु रिपोर्ट तैयार करना।

10. आप एक शहर के नगर निगम आयुक्त हैं। कुछ पुराने भवनों की स्थिति की पहचान करते हुए, आपने उन्हें जर्जर भवनों की सूची में वर्गीकृत किया है। आपने निवासियों को भवनों की स्थिति और ऐसे भवनों में रहने के खतरों के संबंध में एडवाइजरी जारी की है तथा उनसे परिसर खाली करने का आग्रह किया है। हालांकि, इस प्रकार की अधिसूचना के बाद भी, निवासी ऐसे भवनों में बने हुए हैं और उन्होंने भवन खाली करने से मना कर दिया है। इनमें से अधिकांश लोग निर्धन हैं, जिनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं है और यदि वे परिसर को खाली कर देते हैं तो वे बेघर हो जाएंगे।

जहाँ आप इन लोगों के लिए हल निकालने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं आपकी सबसे बुरी आशंका तब सही सिद्ध हो जाती है जब भारी वर्षा के बाद सूची में मौजूद एक चार मंजिला भवन ढह जाता है। इस घटना के बाद, सार्वजनिक आक्रोश के चलते निगम पर भवन खाली नहीं कराने के कारण आरोप लगाए जाते हैं।

(a) इस स्थिति में एक आयुक्त के रूप में आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? इनसे निपटने हेतु आप जो कदम उठाएंगे, उन्हें रेखांकित कीजिए।

(b) ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु आप क्या उपाय करेंगे? (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are the Commissioner of a city municipal corporation. Recognizing the state of some of the old buildings, you have categorised these under the list of dilapidated buildings. You have also issued an advisory to residents regarding the status and hazards of living in such buildings and asked them to vacate the premises. However, even after such a notification, residents continue to occupy such buildings and refuse to vacate. These are mostly poor people who have no other alternative available and would be rendered homeless if they vacate the premises.

While you are trying to figure a way out for these people, your worst fears come true when one of the four-storeyed buildings on the list collapsed after heavy rains. Following the incident, public outrage led to accusations against the corporation for not getting the building vacated.

(a) What challenges do you face as the Commissioner in this situation? Highlight the steps you will take to address these.

(b) What measures will you take to prevent reoccurrence of such unfortunate incidents? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर।

1) प्रमुख हितधारक।-

1) जर्जर भवनों के निवासी

2) नगर निगम प्रशासन

3) नगर निगम आयुक्त के रूप में स्वयं

4) राज्य

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a)(i) आयुक्त के रूप में प्रमुख चुनौती :-
नगर निगम के क्षेत्राधिकार में हुई उपरोक्त दुःखद घटना जिसका पहले से प्रशासन को ज्ञात था प्रशासनिक कार्यकुशलता पर गम्भीर प्रश्न खड़े करता है। अतः प्रमुख मुद्दे -

1) जनता की सुरक्षा बनाम भावनात्मक अपील
2) कड़े प्रशासनिक निर्णयों को लागू करवाना
3) मीडिया व स्थानीय जनता द्वारा नगर निगम के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन
4) नगर निगम की क्षमता पर प्रश्न चिन्ह
5) गरीबों के लिए वैकल्पिक निवास स्थल संबंधी व्यवस्था निर्माण संबंधी प्रश्न

(ii) निपटने हेतु उठाए जाने वाले कदम :-
निम्न लिखित कदम उठाए जाने अपेक्षित :-

1) सर्वप्रथम गिर चुकि बिल्डिंग के मलबे हटाने का कार्य व प्रभावित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

2) शेष बिल्डिंगो में रह रहे लोगों को तुरंत खाली करने हेतु प्रशासनिक कार्यवाही

3) खाली कराए लोगों हेतु राहत शिविरों का निर्माण।

4) प्रशासन की स्थिति (पूर्ववर्ती चेतावनी) को स्पष्ट करते हुए प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों को सामने रखना

5) यदि कार्यवाहियों में प्रशासनिक चूक हुई है तो उस पर ~~का~~ संज्ञान लेना।

6) इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजना।

b) ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने हेतु उपाय :-

भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने हेतु समग्र व बहुआयामी रणनीति निम्न पर बल देना हेतु

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संस्थागत प्रयास

- प्रशासन को इस तरह के भवनों को खाली करवाने हेतु प्रशिक्षण
- नगर निगम क्षेत्र में व्यापक खतरनाक स्थलों की पहचान के उन्हें तुरंत खाली करवाना
- शरण केंद्रों का निर्माण
- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नवीन गृह निर्माण हेतु उपयोग

प्रणालीगत

- नए बनने वाले घर हेतु आपदा मानकों का कठोरता से पालन
- पुराने घरों की आपदा मानक लेखांकन व्यवस्था।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. आपको हाल ही में सामूहिक नकल के लिए प्रसिद्ध एक जिले में जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में पदस्थापित किया गया है। हाल ही में संपन्न बोर्ड परीक्षाओं के दौरान इस जिले में पुन: ऐसी ही कुछ परेशान करने वाली घटनाएँ देखी गईं। आपके जिले में स्थित कुछ परीक्षा केंद्रों में अभिभावकों ने परीक्षा के दौरान अपने बच्चों की नकल करने में सहायता करने के लिए केंद्रों को कमोबेश अपने नियंत्रण में कर लिया। अभिभावकों ने यह तर्क देते हुए अपने कार्य को सही ठहराया कि संबंधित शिक्षकों ने वर्ष के दौरान बिल्कुल भी कक्षाएं नहीं ली हैं। पूछताछ करने पर आपने पाया कि इस स्थिति में निरीक्षकों ने आंखें मूंद लीं और स्कूल प्रशासन भी घटनाओं की CCTV फुटेज के साथ छेड़छाड़ करने में सम्मिलित था। आपने यह भी पाया कि शिक्षकों की अनुपस्थिति वास्तव में बहुत अधिक रही है। इसके अतिरिक्त, इस संबंध में पूर्व में अभिभावकों द्वारा बार-बार चिंता जताई गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस स्थिति में:

(a) इस समस्या से निपटने हेतु आप तात्कालिक रूप से अल्पावधि में क्या कार्रवाई करेंगे?

(b) समग्र रूप से समाज के लिए ऐसी घटनाओं की जटिलताओं को समझाते हुए, कुछ ऐसे दीर्घकालिक सुधारों को रेखांकित कीजिए जो ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए किए जाने चाहिए। (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You have been recently posted as a District Education Officer in a district, which is notorious for mass copying. It again witnessed some disturbing incidents during the recent Board examination. In some of the examination centers located in your district, the parents virtually took over the centres to help their wards to copy during the exams. The parents justified their act by arguing that the concerned teachers did not take classes at all during the year. Upon enquiry, you found that invigilators turned a blind eye in this situation and school administrations were also involved in tampering with the CCTV footage of the incidents. You also found that teacher absenteeism has indeed been rampant. Further, concerns regarding this had been repeatedly raised by parents in the past, but no action was taken.

In this situation:

(a) What course of action would you take in the immediate to short term to deal with the issue at hand?

(b) Explaining the ramifications of such incidents for the society at large, highlight some long-term reforms that should be taken to prevent such incidents from re-occurring. (Answer in 250 words) 20

उत्तर :-

प्रमुख हितधारक :-

1) विद्यार्थी

2) जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में स्वयं

3) अभिभावक

4) शिक्षक

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5) निरीक्षक

6) जिला प्रशासन

7) शासन

(a) तात्कालिक उपाय :-

1) नकल जैसी व्यवस्था को रोकने हेतु प्रशासनिक तैयारी व इस हेतु निरीक्षकों की जिम्मेदारी तय करना।

2) अभिभावकों के साथ वार्ता व उन्हें नकल के दुष्प्रभावों के विषय में समझाना

3) छात्रों को परीक्षा संबंधी आवश्यक शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाने तथा बेहतर शिक्षक उपलब्ध करवा कर समय से उनकी तैयारी सुनिश्चित करने के प्रयास।

4) लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों व निरीक्षकों पर कड़ी कार्यवाही हेतु अनुशंसा।

8) जिम्मेदारी प्रशासनिक अधिकारियों जिन्होंने शिक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने में लापरवाही बरती पर कार्यवाही।

(b) दीर्घकालिक सुधार।- सुधार के स्तरों पर निम्न किया जा सकता है।

1] पठन सामग्री

2) पठन प्रकृति

3) संस्थागत सुधार

1] पठन सामग्री।-

→ विद्यार्थियों को सरल प्रशस्त आवश्यक पठन सामग्री उपलब्ध करवाना।

→ गुणवत्ता पूर्ण पठन सामग्री

→

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) पठन पद्धति :-

→ डिजिटल शिक्षा पद्धति का प्रयोग

→ शिक्षा को आधार व्यवहारपरक तरिके से समझाने हेतु शिक्षकों को प्रशिक्षण

→ समय समय पर बच्चों का वैज्ञानिक संस्थानों में भ्रमण।

3) संस्थागत प्रयास :-

→ शिक्षक की जवाबदेहिता तय करना

→ शिक्षकों की पर्याप्त संख्या व गुणवत्ता

→ बच्चों की विद्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित

→ समय समय पर सभी विद्यालयों का औचक निरिक्षण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में जिला मजिस्ट्रेट के रूप में पदस्थापित किया गया है, जो औद्योगिक गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र है और विभिन्न स्थानों व समुदायों के श्रमिकों को आकर्षित करता है। इन उद्योगों के श्रमिक, हालांकि केवल थोड़े समय के लिए ही, प्रायः अपनी दैनिक प्रार्थना करने के लिए सड़कों पर खुले स्थानों का उपयोग करते हैं। कार्य स्थलों के निकट पूजा स्थल की कमी को इस परिपाटी के जारी रहने का कारण बताया जाता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, इसके कारण सड़कों पर होने वाली भीड़-भाड़ से उत्पन्न असुविधा की वजह से आस-पास के क्षेत्रों के कुछ निवासी इस परिपाटी पर आपत्ति जताते रहे हैं। इस परिपाटी की आड़ में सार्वजनिक भूमि पर कथित अवैध अतिक्रमण की भी शिकायतें मिली हैं।

एक दिन, आपको सूचना मिलती है कि स्थानीय लोगों के एक समूह ने उपासना के समय व्यवधान डाला है। इस घटना के चलते कई समूहों के बीच झड़पें हुई हैं और जिले में कानून एवं व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो गई है।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक के गुण-दोष का मूल्यांकन कीजिए।

(b) आप क्या कार्रवाई करेंगे और क्यों? (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are recently posted as District Magistrate in a district, which is a major hub of industrial activities and attracts workers from different places and communities. The workers of these industries often utilize the open spaces on roads for performing their daily prayers, though only for a short period of time. The lack of a place of worship close to the work places, is cited as the reason for continuance of this practice.

However, some residents of nearby areas have been objecting to this practice due to the inconvenience caused by congestion on the roads. There have also been complaints of alleged illegal encroachments over public land in garb of this practice.

One day, you are informed that a group of locals disrupted the workers at the time of worship. The incident led to clashes between several groups and a law and order problem has arisen in the district.

Given the situation, answer the following:

(a) What are the options available before you? Evaluate the merits and demerits of each one of them.

(b) What course of action would you choose and why? (Answer in 250 words) 20

उत्तर :-

1) प्रमुख हितधारक :-

1) जिला मजिस्ट्रेट के रूप में स्वयं मैं

2) विभिन्न धार्मिक समुदाय

3) जिला प्रशासन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4) आम जनता

5) औद्योगिक इकाईयों के मालिक

2] उपलब्ध विकल्प :-

(i) उपासना पर प्रतिबंध व कानून व्यवस्था नियम:

गुण :-
- सड़कों पर भीड़ भाड़ की समस्या न
- सार्वजनिक सम्पत्ति के अवैध अतिक्रमण की समस्या न होना
- साम्प्रदायिक विवादों व विरोधाभासों की अनुपस्थिति

दोष :-
- दूसरे वर्ग के धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार में हस्तक्षेप
- साम्प्रदायिकता की समस्या को प्रोत्साहन
- प्रशासन पर वर्ग विशेष की पक्षधरता का आरोप

(ii) व्यवस्था को यथावत चलते रहने देते हुए कानून व्यवस्था नियम :-

गुण :-

- स्थानीय समाज की परम्परा की सुरक्षा.
- धार्मिक कार्यों की स्वतंत्रता सुनिश्चित
- कोई समाज के लिए स्वतः प्रेरित होकर सुधार मार्ग परिवर्तित संभव

दोष :-

- इसी तरह की समस्या उभरने दोनों से उपयुक्त और स्वीकृत है
- अन्य वर्ग द्वारा भी इसी तरह की मांग।
- आधुनिक विकास के बाधक
- लोकाचार के विरुद्ध

(iii) तात्कालिक रूप से कानून व्यवस्था नियम तथा बाद में औद्योगिक मालिकों व स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उपासना स्थल में विवाद अथवा उनका अलग विकल्प तथा साथ ही स्थानीय प्रतिनिधियों व NGO से चर्चा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

गुण:- i) त्वरित रूप से ट्रैफिक व्यवस्था हेतु पुलिस बल
की एवं निश्चित काम के उपाय

मुद्दा:- i) उपाय स्थल हेतु नवीन विकल्प से
दीर्घकालिक समस्या समाधान

ii) स्थानीय लोगों के सहयोग द्वारा संयुक्त
की कार्यवाही के बाद

iii) औद्योगिक मालिक के साथ मिलकर सकारात्मक
रूप से समस्या समाधान इससे व्यापार
पर विपरीत प्रभाव नहीं

iv) त्वरित ~~रूप से ट्रै. सड़क के~~

दोष:- i) ऐसी समस्या आगे और भी उठ सकती
है

ii) नवीन निर्माण अथवा विकल्प हेतु धन
की उपलब्धता

iii) ट्रैफिक व्यवस्था की समस्या कम वस्तुतः
बनी रहेगी।

(b) अपनाई जाने वाली कार्यविधि :-

मैं तीसरे विकल्प का चुनाव करता क्योंकि :

1) यह धार्मिक सद्भाव व सौहार्द को बनाए रखेगा

2) साम्प्रदायिकता की भावना के विस्तार पर नियंत्रण

3) अन्य स्थान पर धार्मिक स्थल पर निर्माण से समस्या का दीर्घकालिक समाधान

इस चुनाव मे उपलब्ध समस्याओं को दूर करने हेतु निम्न प्रयास :

i) अन्य क्षेत्रों में क्षेत्र विशेषता के अनुसार इसी मंदिर के स्थान मे रख समाधान प्रयास।

ii) वित्तीय उपलब्धता हेतु CSR प्रयोग साथ ही स्थानीय लोगों से सहयोग

iii) अल्पकालिक ट्रैफिक व्यवस्था हेतु कुशल ट्रैफिक प्रबंधकों की नियुक्ति।

13. आप एक पहाड़ी राज्य में एक जिले के जिला मजिस्ट्रेट हैं। एक शक्तिशाली NRI व्यवसायी आपके जिले में भव्य विवाह समारोह आयोजित करने की योजना बना रहा है। समारोह के आयोजन की व्यापकता को देखते हुए, एक व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की गई है। इस रिपोर्ट में सतर्क रुख अपनाने का आह्वान किया गया है और पर्यावरण पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता जताई गई है। इसे स्वीकार करते हुए, NRI ने संभावित पर्यावरणीय क्षति के लिए अतिरिक्त क्षतिपूर्ति का प्रस्ताव किया है। साथ ही, स्थानीय विधायक और कुछ प्रमुख निवासी तर्क दे रहे हैं कि इस प्रकार के विवाह समारोह से जिले को पर्यटक आकर्षण केंद्र के रूप में विकसित करने में सहायता मिल सकती है तथा यह इसे लोकप्रिय विवाह स्थल में परिवर्तित कर सकता है, जो निवासियों के लिए समृद्धि ला सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) दी गई स्थिति में हितधारकों और उनके संबंधित हितों की पहचान कीजिए।

(b) आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों और आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर प्रकाश डालिए, साथ ही उसका कारण भी बताइए। (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are the district magistrate in a district of a hill state. An NRI tycoon is planning to arrange a large wedding ceremony in your district. Given the scale of the ceremony, a feasibility report was prepared. The report has called for adopting a cautious approach and has raised concerns regarding its impact on the environment. Recognizing this, the NRI has offered extra compensation for the prospective environmental damages. Also, the local MLA and some prominent residents are arguing that such a wedding can help in developing the district as a tourist hotspot and turn it into a popular wedding destination, bringing prosperity for the residents.

Given the situation, answer the following:

(a) Identify the stakeholders in the given situation and their respective interests.

(b) Highlight the options available to you and the course of action you will take, giving reasons for the same. (Answer in 250 words) 20

हितधारक व उनके हित :-

1) NRI व्यवसायी :- अपनी विवाह समारोह द्वारा अपने सामाजिक सम्मान व लोकप्रियता में वृद्धि

2) क्षेत्रीय जनता :- रोजगार अवसरों का सृजन तथा आय पर्यटन वृद्धि से आदि लाभ वृद्धि।

3) पर्यावरण :-
पहाड़ी क्षेत्र के पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है व पारिस्थितिकी तंत्र नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है

4) राज्य :-
राज्य में पर्यटन व पहाड़ी क्षेत्रों में आवागमन गतिविधियाँ व पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो सकती है जो राज्य को भौतिक लाभ के अवसर उपलब्ध करवाती है परंतु क्षेत्रफल में पर्यावरणीय क्षति से भारी पर्यावरणीय व जैविक नुकसान की संभावना।
(उत्तराखण्ड राज्य में 2013 में आई त्रासदी के संदर्भ में)

5) जिला मजिस्ट्रेट के रूप में संबंध :
विकास व पर्यावरण के मुद्दे तथा स्थानीय प्रतिनिधि व जनता की मांग तथा व्यवहार्यता रिपोर्ट पर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

गम्भीरता से विचार एवं हितों के संतुलन को अमल करने संबंधी प्रशासनिक कार्यकुशलता।

(b) उपलब्ध विकल्प

(i) पर्यावरण व्यवहार्यता रिपोर्ट के आधार पर समारोह पर रोक:

गुण:
- पर्यावरण संरक्षण
- पारिस्थितिकी संरक्षण
- अविवेकपूर्ण अंधाधुंध मानवीय हस्तक्षेप पर रोक-

दोष:
- स्थानीय जनता का विरोध
- पर्यटन व रोजगार सृजन संभावना का विकास न होना

(ii) विवाह समारोह के आर्थिक लाभों को देखकर इसका नियंत्रण तथा प्रशासन के ओर से सीमित विवाह स्थल बनाने का सुझाव

गुण :- • आर्थिक विकास
• रोजगार सृजन
• मानव विकास व राज्य की आय वृद्धि

दोष :- • पर्यावरणीय असंतुलन
• दीर्घकालिक विनाशकारी गतिविधि
• स्थानीय परिस्थितियों पर विपरीत प्रभाव

(iii) पर्यावरण व्यवहार्यता रिपोर्ट की चिंताओं को NRA अधिकार के समक्ष रखते हुए प्रस्तावित कार्यक्रमों के बदलाव के ~~स्वार्थ~~ साथ किया जाना:-

गुण :- 1) पर्यटन व रोजगार सृजन के साथ पर्यावरण संरक्षण
2) दीर्घकालिक पर्यावरण उपयोग
3) स्थानीय विकास व पर्यावरण में संतुलन

दोष :- 1) NRA द्वारा विरोध व स्थानीय प्रतिनिधियों को जरूर इस विरोध करवाने की सम्भावना
2) इस प्रकार के कार्यक्रमों के प्रति हतोत्साहित

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

रणनीति! -

मैं तीसरे विकल्प को अपनाना चाहूँगा जो इनके चुनौतियों को हल करने का प्रयास करता।

1) NRI व स्थानीय हित प्रतिनिधियों से परामर्श पर्यटन व उनके धार्मिक महत्व के महत्व को स्वीकार करता।

2) राज्य सरकार को इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही प्रेरित करता।

3)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

14. जलवायु परिवर्तन की चुनौती विश्व के समक्ष कई मूलभूत नैतिक दुविधाएँ प्रस्तुत करती है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य से यह विश्व के लिए सामूहिक कार्रवाई की समस्या प्रस्तुत करती है: वैश्विक कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने में सभी देशों का सामूहिक हित है। लेकिन आर्थिक संवृद्धि और समृद्धि की सामाजिक मांगों के प्रति अनुक्रिया करने में प्रत्येक देश के लिए अति-उपभोग के अपने लाभ भी हैं। इन लागतों का सामना करने वाले विकासशील राष्ट्रों के सम्मुख और अधिक चुनौतियां आ सकती हैं क्योंकि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव असंगत रूप से निर्धनों पर सर्वाधिक पड़ने की संभावना है, इस प्रकार इससे निष्पक्षता और असमानता के मुद्दे भी उभर कर सामने आते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक अंतरपीढ़ीगत समस्या के रूप में, वर्तमान पीढ़ी द्वारा की गई कार्रवाइयों के परिणामों का भविष्य की पीढ़ियों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ेगा।

यद्यपि यह सहज बोध का विषय है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए निवासयोग्य विश्व छोड़ना वर्तमान पीढ़ी का नैतिक उत्तरदायित्व है तथापि इस दायित्व की सीमा कम स्पष्ट है।

इस संबंध में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उन भावी पीढ़ियों के प्रति जो अभी पैदा नहीं हुई हैं, मनुष्य का नैतिक उत्तरदायित्व किस सीमा तक है?

(b) क्या विकासशील देशों की तुलना में विकसित देशों पर जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण हेतु कार्रवाई करने और अतिरिक्त लागत वहन करने का अधिक उत्तरदायित्व है? (उत्तर 250 शब्दों में दें)

The challenge of climate change presents the world with several fundamental ethical dilemmas. From a global perspective, it presents the world with a collective action problem: all countries have a collective interest in controlling global carbon emissions. But each individual country also has incentives to over-consume in response to societal demands for economic growth and prosperity. Developing nations faced with these costs may encounter further challenges as the impact of climate change will most likely fall disproportionally on the poor, thus also raising issues of fairness and inequality.

As an intergenerational problem, the consequences of actions taken by the current generation will have the greatest impact on future generations.

While it is intuitive that the current generation has some ethical responsibility to leave an inhabitable world to future generations, the extent of this obligation is less clear.

Answer the following questions in this regard:

(a) To what extent do humans have a moral responsibility to future generations that are yet to be born?

(b) Do developed countries have a greater responsibility to take action and bear more costs of controlling climate change than developing countries? (Answer in 250 words) 20

उत्तर :-

हितधारक :-

1) वर्तमान पीढ़ी
2) भविष्य की पीढ़ी

3) विकसित राष्ट्र

4) विकासशील राष्ट्र

5) पर्यावरण

(a) भविष्य की पीढ़ीयों के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व

(i) हमने पृथ्वी पूर्वजों से विरासत में नहीं बल्कि अपने वंशजों से उधार में ली है। अतः वंशजों के प्रति नैतिक दायित्व है इनके लिए धारणीय व वास योग्य वातावरण की सुनिश्चितता

(ii) पृथ्वी एकमात्र ज्ञात जैविक ग्रह इसकी विरासत व विविधता को बनाए रखना प्रत्येक मानव की कर्तव्य

(iii) मानव पृथ्वी का सर्वाधिक विचारशील प्राणी अतः उसे अपने विकास के साथ साथ चराचर जगत के विकास का ध्यान रखना

(iv) जो पर्यावरणीय संसाधनों (स्वच्छ हवा, जल, पर्यावरणीय व जैविक विविधता) का उपयोग हम आज कर रहे हैं वह भविष्य की पीढ़ी का भी उतना ही हक़

गांधी जी का इस संबंध कथन कि "प्रकृति हमारी जरूरतों को पूरा कर सकती है, लालच को नहीं" अत्यंत प्रासंगिक है। क्योंकि यह मानव को पर्यावरण का हिस्सा मानती है न कि विजेता।

(b) विकासशील विकसित राष्ट्रों का अतिरिक्त दायित्व।-

(i) विश्व के 17-18 सदी से आरंभ हुई औद्योगिक क्रांति सर्वप्रथम जिन देशों में घटित हुई विशेषकर पश्चिमी व उत्तरी राष्ट्रों ने इसका भरपूर लाभ उठाया है परंतु नव स्वतंत्र व औद्योगिकृत राष्ट्र इस लाभ से वंचित।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूकता

3) नव स्वतंत्र राष्ट्रों को सहायता से पूर्ण विकास

4) विकसित राष्ट्र अपेक्षाकृत अधिक जिम्मेदार

5) प्रदूषण कारक - विकसित राष्ट्र
प्रदूषण से प्रभावित - विकासशील राष्ट्र
से स्थायी कोई आवश्यक
क्योंकि समानता मानवों के अन्य न कि
आवश्यकताओं के जीवन

6) विकासशील राष्ट्र की गरीब जनता है
उत्थान हेतु विकास वाले प्रतिबद्धता
आवश्यक

7) विकास बनाम पर्यावरण के स्थान पर
विकास बनाम धारणीय विकास हेतु विकसित

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

देशों से तकनीकी सहयोग आवश्यक

8) SDG लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु परस्पर सहयोग व विकसित राष्ट्रों की बढ़ी हुई जिम्मेदारी आवश्यक

अतः विकसित व विकासशील राष्ट्रों का संतुलन सामंजस्य ही समग्र मानवता के विकास को सुनिश्चित कर सकता है

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK